विवरण

वर्ष 1989–90 से 1991–92 तक की अवधि के दौरान भारतीय कपास निगम द्वारा खरीदी गई तथा निर्यात की गई कपास के ब्यौरे :

वित्तीय वर्ष	खरीदी गई मात्रा (लाख गांठ में)	लागत प्रति गांठ (रु० में)	निर्यात की गई मात्रा (लाख गांठ में)	प्रति गांठ औसत वसूली (रु० में)
1989–90 . .	10.12	4496	0.83	4602
1990–91 . .	12.40	4403	7.89	4528
1991–92 . .	10.44	5287	0.83	5542

भारतीय कपास निगम के माध्यम से कपास के आयात को निरुत्साहित किया जाना

3317. डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :
श्री रणजीत सिंह :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 19 जनवरी, 1992 के इंडियन एक्सप्रेस में "इंडियन काटन मिल्स फेडरेशन अगेन्सट केनलाइजिंग रोल आन काटन कारपोरेशन" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश में कपास की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इंडियन काटन मिल्स फेडरेशन ने 14 लाख कपास की गांठें आयात करने की आवश्यकता पर जोर दिया है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि भारतीय कपास निगम के माध्यम से कपास के आयात को निरुत्साहित करने का भी आग्रह किया गया है ; और

(घ) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी हां।

(ख) आई सी एम एफ ने कम से कम 10 लाख कपास की गांठ का आयात करने का आग्रह किया है ।

(ग) जी हां।

(घ) भारतीय कपास निगम की भूमिका को कम करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

National Policy on Development of Carpet and Other Handicrafts

3318. SHRI RAM NARESH YADAV.: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have framed any national policy for the development of carpet/darri and handicrafts in small scale industries, if so, the details thereof;

(b) whether Government are aware that the carpet industry is facing difficulties in the absence of proper protection from the Government; and

(c) if so, what steps have been